Notification No.: 578/2025

Date of award: 08/05/2025

Name of the scholar: km Jishana Bano

Name of the supervisor: prof. Hemlata Mahishwar

Name of Department/Faculty:Hindi,Faculty of Humanities and Language,JMI

Topic of the Research: AADIWASI KAVYITRIYON KI KAVITA AUR ASMITA KE PRASHN

Keywords: Asmita, Asmita vimarsh, Asmitamulak vimarsh, Asmitawadi sidhdhant, Asmitamulak aaudharna.

Finding

आज के इस भूमंडलीकरण के युग नेआदिवासी समाज की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्थिति को काफी हद तक प्रभावित किया है।इसकी गहरी चिंता हमें इनकी कविताओं में देखने को मिलती है।इन कवयित्रियों की कविताओं में आदिवासी जीवन की पीड़ा एवं शोषण के अनेक आयाम है। भौतिक विकास की दौड़ आदिवासी समाज को डरा रही है। बाहरी दखलंदाजी, अतिक्रमण, प्राकृतिक संपदा के दोहन ने जंगलों की शांति भंग कर दी है। आज आदिवासी जीवन बाधित हो रहा है। तथाकथित विकास के मार्ग में आदिवासी समाज को एक बाधक के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए उन्हें विस्थापित होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विस्थापन की इस प्रक्रिया में आदिवासी समाज का शोषण हो रहा है। इसलिए आदिवासी कवयित्रियों की कविताओं विकास के इस नारे को ख़ारिज करती है।

इन कविताओं मेंअपने समाज एवं संस्कृति के प्रति गहरा सम्मान प्रकट किया गया है। आजादी की लड़ाई में दिए गए अपने योगदान को इन कविताओं में चिंहित किया गया है। साहित्य में अपने क्रांतिकारियों सिद्धू, कान्हू, बिरसा, मुंडा,आदि को याद किया गया है।साथ ही साथ हमें इन कवयित्रियों की कविताओं में आदिवासी समाज के गांव-चौक को खेत-खलिहान, पहाड़-नदियां पशु-पक्षीपेड़-पौधेआदिवासी लोक गाथाओं, आदिवासी वीर-नायक, नायिकाओंऔर आदिवासी नेताओं के नाम को भी उनकी कविता में बखूबी देखा जा सकता है।